सूफी आंदोलन

- सूफ़ी मत, इस्लाम धर्म में उदार, रहस्यवादी और संश्लेषणात्मक प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाली विचारधारा है। सूफ़ी शब्द की उत्पत्ति के संबंध में इतिहासकारों में मतभेद है। विभिन्न विद्वानों ने 'सूफ़ी' शब्द की व्युत्पत्तिमूलक व्याख्या भिन्न-भिन्न दृष्टियों से की है।
- सबसे प्रसिद्ध मत के अनुसार सूफ़ी शब्द 'सूफ' से विकसित हुआ है जिसका तात्पर्य है- ऊन या ऊनी कपड़ा। सूफ़ी साधक आरंभिक समय में भेड़ या बकरी की ऊन से बने कपड़े धारण किया करते थे। संभवतः इसीलिये उन्हें सूफ़ी कह दिया गया।
- दूसरे मत के अनुसार, सूफ़ी शब्द की उत्पत्ति 'सफा' से हुई है जिसका अर्थ है- पवित्रता या शुद्धि की अवस्था। इस व्याख्या के अनुसार आचरण की पवित्रता और शुद्धता के कारण ही इन लोगों को सूफ़ी कहा गया।
- कुछ विद्वानों ने सफा शब्द की एक और व्याख्या की। उनके अनुसार मोहम्मद पैगम्बर द्वारा मदीना की मस्जिद के बाहर 'सफा' अर्थात् मक्का की एक पहाड़ी पर जिन लोगों ने शरण ली, वही आगे चलकर सूफ़ी कहलाए।
- वस्तुतः इस विवाद का कोई भी सर्वमान्य निर्णय करना कठिन है। ज़्यादा संभावना इस बात की है कि सूफ़ी शब्द की उत्पत्ति 'सूफ' अर्थात् 'ऊन' से ही हुई होगी क्योंकि प्रथम दृष्टया बाह्य विशेषताएँ ही समाज को नज़र आती हैं। आगे चलकर बाकी व्याख्याएँ क्रमशः विकसित होती गई होंगी। कुछ भी हो, आजकल इसका अर्थ 'तसव्वुफ़' को मानने वाले साधक ('इश्क मजाज़ी' और 'इश्क हकीकी' के सिद्धांत को मानते हुए सभी धर्मों से प्रेम करना) से ही लिया जाता है।